

# नहीं रहे धर्मेन्द्र, 89 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा;पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे बीते कुछ दिनों से उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। सोमवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेन्द्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उम्र संबंधी बीमारियों के चलते

**संक्षिप्त समाचार**

**मुंबई हमारे हाथ से छूट गई, तो ये लोग..., बीएमसी चुनाव से पहले मराठी समुदाय को लेकर ये बोले राज ठाकरे**

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों से पहले सियासत में जबरदस्त गर्माहट है। इसी बीच मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने इस चुनाव को मराठी समुदाय के लिए आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव बताया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते करते हुए राज ठाकरे ने कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से सतर्क रहने और मतदाता सूची में अनियमितताओं पर ध्यान देने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर लापरवाही हुई तो मुंबई उनके हाथ से छूट सकती है। महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले राज्यभर की सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। ऐसे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने इसे मराठी समुदाय के लिए आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव बताया है। रविवार को मनसे के कोकण महोत्सव के उद्घाटन के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि बीएमसी चुनाव के आसपास का राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है। ठाकरे ने कहा कि मराठी लोगों के लिए यह बीएमसी चुनाव आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव है। अगर हम लापरवाह बने तो यह चुनाव हमारे हाथ से चला जाएगा।

धर्मेन्द्र पिछले कुछ वक्त मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती रहे। इसके बाद घर पर उनका इलाज चल रहा था। लेकिन अब उनके निधन की खबर सामने आई है। प्रोड्यूसर करण जौहर ने सोशल मीडिया पोस्ट करके दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन की जानकारी दी। करण जौहर ने निधन को लेकर की पोस्ट धर्मेन्द्र के निधन के बाद करण जौहर ने दिग्गज अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। जिसमें वह लिखते हैं, ‘एक युग का अंत हो गया।’ धर्मेन्द्र के घर के बाहर भी कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को देखा गया। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर देओल परिवार नजर आया। लंबे समय से बीमार थे धर्मेन्द्र 8

दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेन्द्र कुछ दिन पहले ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनका इलाज घर

पर ही किया जाने लगा। लेकिन वक्त के साथ तबीयत नहीं सुधरी और आज सोमवार यानी 24 नवंबर 2025 को धर्मेन्द्र का निधन हो गया। धर्मेन्द्र की आखिरी फिल्म होगी %इक्कीस%- 89 साल की उम्र में भी धर्मेन्द्र एक्टिंग में सक्रिय थे। अमिताभ बच्चन के नाती आस्र्य नंदा

की आगामी फिल्म इक्कीस इस दिग्गज अभिनेता की आखिरी फिल्म होगी। फिल्म ‘इक्कीस’ की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतवाल की

देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेन्द्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। वहीं अरुण खेतवाल की

के रोल में अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का 89 साल

प्रख्यात अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन की सूचना से फगवाड़ा में भी शोक की लहर है। फगवाड़ा वह शहर है जहां हीमैन धर्मेन्द्र ने अपना बचपन गुजारा था। धर्मेन्द्र कभी फगवाड़ा में बिताए अपने बचपन को नहीं भूले। अपनी पंजाब यात्राओं के दौरान वह फगवाड़ा में अवश्य रुकते थे और बचपन के दोस्तों से मिलने के लिए समय निकालते थे। दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र को 10 नवंबर को अचानक तबीयत बिगड़ने पर मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तभी से फगवाड़ा के मंदिरों और गुरुद्वारों में, उनके बचपन के दोस्त और प्रशंसक उनके लिए प्रार्थना कर रहे थे। इस दौरान उनके निधन के अफवाह भी उड़ी थी। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया था। तब से घर पर ही उनकी देखरेख की जा रही थी। सोमवार को उनके निधन की खबर आने से शोक की लहर दौड़ गई। करण जौहर ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट की।

इससे पहले आईएनएस ने उनके निधन की खबर चलाई। आपको बता दें कि फगवाड़ा में उनके बचपन के सबसे करीबी साथी समाजसेवक कुलदीप सरदाना, हरजीत सिंह परमार, एडवोकेट शिव चोपड़ा धर्मेन्द्र के साथ तब से थे जब उन्हें सिर्फ धरम के नाम से जाना जाता था। धर्मेन्द्र के पिता मास्टर केवल कृष्ण चौधरी आर्य हाई स्कूल में गणित और सामाजिक अध्ययन पढ़ाते थे। धर्मेन्द्र ने 1950 में यहीं से मैट्रिक की। 1952 तक रामगढ़िया कॉलेज में आगे की पढ़ाई की। आर्य हाई स्कूल में उनके सहपाठी, वरिष्ठ एडवोकेट एस.एन चोपड़ा कहते थे कि धर्मेन्द्र में एक खास चमक थी। प्रसिद्धि ने उनकी विनम्रता को कभी नहीं बदला। हरजीत सिंह परमार के अनुसार जब भी वह आते, तो हमारे साथ बैठना, पुरानी बातें करना, मजाक करना और पुरानी यादें ताजा करना चाहते थे। वह कभी किसी स्टार की तरह नहीं आए, वह हमारे दोस्त की तरह आए। रामलीला में नहीं मिली थी भूमिका प्रसिद्धि के बावजूद, धर्मेन्द्र का फगवाड़ा से नाता कभी कम नहीं

हुआ। स्कूल के दिनों, शिक्षकों, पुराने पैराडाइज थिएटर और शहर के बदलते स्वरूप के बारे में किस्से साझा करते हुए कई अविस्मरणीय शामें धर्मेन्द्र ने फगवाड़ा में बिताईं। एक किस्से में धर्मेन्द्र ने एक बार बताया था कि अभिनय के दिनों से पहले, उन्हें कौमी सेवक रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित एक रामलीला में भूमिका के लिए अस्वीकार कर दिया गया था। कई साल बाद उन्होंने अपने दोस्तों को चिढ़ाते हुए कहा कि क्या अब मुझे रामलीला में कोई भूमिका मिल सकती है। फगवाड़ा जिंदाबाद- फगवाड़ा शहर से उनका गहरा जुड़ाव 2006 में तब उजागर हुआ जब वे पुराने पैराडाइज थिएटर की जगह बने गुरुबचन सिंह परमार कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने आए। हजारों लोगों के सामने धर्मेन्द्र ने कहा था फगवाड़ा जिंदाबाद! हरजीत सिंह परमार बताते थे कि वह और उनकी पत्नी प्रकाश कौर हमारे घर आए और मेरी मां से आशीर्वाद लिया। उन्होंने हमारे साथ परिवार जैसा व्यवहार किया, क्योंकि उनके लिए हम परिवार ही थे।

## रुपये की गिरती कीमत को लेकर सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस, PM मोदी का वीडियो साझा कर याद दिलाए पुराने बयान



कांग्रेस ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए यूपीए सरकार पर किए गए उनके ही पुराने बयान की याद दिलाई। गौरतलब है कि सोमवार को रुपया 89.46 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में तेजी दिखाते हुए 89.17 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 49 पैसे की बढ़त थी। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को रुपया 98 पैसे की

गिरावट के साथ 89.66 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था। घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की भारी मांग, स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं ने इस गिरावट को और बढ़ाया। सरकार पर निशाना साधते हुए जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, डॉलर के मुकाबले रुपये का फ्री फॉल जारी है। यह अब 90 रुपये प्रति डॉलर का स्तर पार करने वाला है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री को जुलाई 2013 में दिया अपना बयान याद है,

जिसके साथ उन्होंने उस समय का वीडियो भी साझा किया। उस वीडियो में मोदी ने कहा था, देखिए रुपया कितनी तेजी से गिर रहा है। कभी-कभी लगता है कि रुपया और दिल्ली की सरकार में कोई मुकाबला चल रहा है कि किसकी इज्जत ज्यादा जल्दी गिरती है। बीते शुक्रवार को घरेलू मुद्रा में तीन वर्षों में एक दिन सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई, जब यह डॉलर पर बंद हुई। इससे पहले 24 फरवरी 2022 को रुपये में 99 पैसे की एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

## दशकों से आरोप लगाने के बावजूद मुझ पर कोई कर्ज नहीं, विवादित टिप्पणी के बाद बोले अजित पवार

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपने विवादित बयान आपके पास वोट है, मेरे पास फंड है पर प्रतिक्रिया दी है। इस मामले को लेकर अजित पवार ने कहा कि दशकों के आरोपों के बावजूद मुझ पर कोई कर्ज नहीं है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने विवादित वोट दो, फंड मिलेगा वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन पर भले ही 35 वर्षों से तरह-तरह के आरोप लगते रहे हों, लेकिन उनका किसी पर कोई कर्ज नहीं है और वे कानून तथा आचार संहिता का सम्मान करते हैं। सोमवार को परभणी जिले के जंजूर में 2 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद चुनाव के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि मीडिया उनके हर शब्द पर नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ दिया जाता है। उन्होंने माना कि काम के दौरान गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनकी नीयत हमेशा विकास की रही है। अजित पवार के बयान पर विपक्ष हमलावर- पिछले हफ्ते पुणे जिले की मालेगांव



नगर पंचायत के चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनके उम्मीदवारों को चुनेगी तो फंड की कमी नहीं होगी, लेकिन अगर उन्हें नकार दिया गया, तो वे भी नकार देंगे। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरे हुए माफी की मांग की थी। मीडिया मेरे हर शब्द की कर रहा निगरानी- सोमवार को स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, मीडिया मेरे फंड से जुड़े हर शब्द की निगरानी कर रहा है। कोई भी बात होती है तो तुरंत उन्हें अजित पवार याद आते हैं। मैं आचार संहिता की पूरी इज्जत करता हूं। जिसने काम किया है उससे गलती हो

सकती है, लेकिन 35 साल में बहुत आरोप झेले हैं, और फिर भी मैं किसी पर कोई कर्ज नहीं रखता। जंजूर नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया। अजित पवार ने कहा, यहां के विकास के लिए मैं हमेशा साथ खड़ा रहूंगा। जिन लोगों पर विकास कार्यों का असर पड़ेगा, उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग की। अजित पवार ने आरोप लगाया कि कुछ गैर-सरकारी संगठन के लोग

घर-घर जाकर मतदाताओं से उनके परिवार और कामकाज की जानकारी ले रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग इस पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा, %कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। हर राजनीतिक दल को एक जैसे नियमों के आधार पर परखा जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य की कई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देना चाहिए। उनका कहना था कि उपलब्ध संसाधनों को सही दिशा में इस्तेमाल कर क्षेत्र का विकास किया जा सकता है।

संपादकीय

Editorial

Constitutional

L i m i t s ,

S u p r e m e

Court Decision

The executive, legislature, and judiciary must all adhere to their constitutional limits. Problems arise when this is not done. It is true that the Supreme Court has the power to interpret the Constitution, but this should not be ignored in its name. It was not correct to say in the Tamil Nadu case that if the Governor does not perform his duties on time, we cannot sit idly by, because there is no answer to the question of what can be done if the judiciary does not take timely decisions. Constitutional Limits Must Be Obeyed

The Constitution Should Not Be Ignored It is good that the Constitution Bench of the Supreme Court did not see the need to impose a time limit on Governors in the matter of assent to bills. It had to reach this conclusion because some time ago, a two-member bench of the Supreme Court, considering the Tamil Nadu case, had concluded that Governors must decide on bills within a fixed time. Along with the Governors, it had also imposed a time limit on the President and had declared the pending Tamil Nadu bills assented. Since this decision by the Supreme Court exceeded its jurisdiction and ignored the constitutional framework, it raised questions, forcing the President to intervene. In response to questions posed by the Supreme Court, the Constitution Bench found it unconstitutional for the two-member bench to hold that bills should be considered automatically approved if they do not receive approval within the stipulated time. This decision by the Constitution Bench will undoubtedly be debated, but it should also be noted that decisions from the Supreme Court that go against the spirit of the Constitution and require the President to question them are not a good omen. Since the Constitution Bench of the Supreme Court stated that governors should either return bills to the House with comments or reserve them for the President's consideration, it is likely that complaints about pending bills may arise in the future. While the Supreme Court has advocated for limited intervention in pending bills, it cannot force governors to take decisions. This could lead to a recurrence of the problem that emerged in Tamil Nadu. This problem must be resolved, but by the legislature and the executive themselves. It would be good if there was a consensus among political parties on this issue, so that matters of the legislature and executive do not reach the judiciary, on which it has no authority to decide. The executive, legislature, and judiciary—all three—must be mindful of their constitutional limits. Problems arise when this is not done. It is true that the Supreme Court has the right to interpret the Constitution, but in its name, the Constitution should not be ignored. It was not right to say in the Tamil Nadu case that if the Governor does not do his work on time, we cannot sit idly by, because there is no answer to the question of what can be done if the judiciary does not take timely decisions.

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .  
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली  
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान  
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला  
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

संपर्क करें-9021776991

The need for cheap loans must be

met; investor confidence is essential.

The availability of affordable loans will boost domestic markets and make the banking system more stable. Reducing EMIs will boost consumers' disposable income, boosting demand for homes and vehicles. The real estate sector, which has long been grappling with slow sales, will experience relief from the interest rate cut. Retail inflation has fallen to a ten-year low, with vegetable and fruit prices falling. RBI hopes for an interest rate cut. The decline in inflation has opened up new possibilities for cheap loans. According to a recent report from the National Statistical Office, retail inflation fell to a ten-year low of 0.25 percent in October, while wholesale inflation also reached a 27-month low of minus 1.21 percent. This decline was primarily due to lower prices of vegetables, fruits, eggs, footwear, grains and their products, as well as electricity, transportation, and communication services. The reduction in GST rates, implemented in September, also played a significant role, leading to a widespread decline in food prices. According to a Crisil report, in October, a vegetarian thali became cheaper by 17 percent, selling at ₹27.8, and a non-vegetarian thali became cheaper by 12 percent, selling at ₹54.4. It is estimated that average retail inflation may remain stable at 2.5 percent in the current fiscal year 2025-26, significantly lower than last year's 4.6 percent. This has increased the likelihood of a cut in policy interest rates at the RBI Monetary Policy Committee meeting next month to boost growth. Reports from national and international agencies are highlighting that the Indian economy is accelerating due to declining taxes and inflation, and the country's credit rating is improving. Despite this, the need to make loans cheaper remains to sustain rapid economic growth. Moody's Global Macro Outlook report states that despite US President Donald Trump's imposition of high import tariffs, India will remain the fastest-growing economy among the G-20 countries, with a growth rate of 6.5 percent in the current fiscal year, driven by low inflation and strong economic fundamentals. Moody's also commended the RBI's cautious monetary policy, which has maintained a balance between growth and inflation. The report states that by keeping the repo rate stable last month, the RBI indicated that it is proceeding cautiously in an environment of low inflation and strong growth. However, the private sector still appears unsure about large-scale investment. At this time, the need for simplified financing for industry and business has become even more pressing amid the slowdown in global growth and the US tariff hike. The National Institute of Public Finance and Policy's mid-year review report states that while GST rate cuts and reduced inflation have clearly benefited the Indian economy, financial support to industry and business is essential given global economic uncertainties. A recent World Bank report also states that financial sector reforms and easy access to credit are essential to India's ambition to become a \$30 trillion economy by 2047. The RBI has already cut the repo rate by a total of one percent in February, April, and June this year, bringing it to 5.5 percent. The cash reserve ratio (CRR) has also been reduced to three percent. However, given the current global challenges and the needs of Indian industry and trade, further interest rate reductions are the need of the hour. Financial indicators are consistently improving, and foreign institutional investors are once again increasing investment in Indian markets. Many central banks around the world are also reducing interest rates. In such an environment, cheap credit could accelerate economic activity in the country. Given India's strategic preparedness amid Trump tariffs and global trade uncertainties, easy credit could inject new energy into the industry, trade, and services sectors. Lower interest rates will not only boost investor confidence but also create a new foundation for innovation, production, and market expansion. This will also boost foreign investment. Rural and urban demand will also accelerate, strengthening the manufacturing and service sectors. The availability of affordable credit will boost domestic markets and the banking system will become more stable. Reducing EMIs will increase consumers' disposable income, boosting demand for homes and vehicles. The real estate sector, which has long been grappling with slow sales, will experience relief from the interest rate cut. It is expected that, given the sharp decline in retail and wholesale inflation and the positive impact of the GST reduction, the RBI will take a significant decision to reduce interest rates in its upcoming monetary policy review. This will boost business and trade, provide relief to consumers, strengthen market demand, and foster a new investment environment. Furthermore, the Indian economy will continue to grow at a rapid pace amid global trade uncertainty and Trump's tariff challenges.

Bangladesh worries India, as

fundamentalist forces are gaining strength.

Mohammad Yunus is an unelected chief advisor to the interim government. He has been placed at the helm of power by a specific group and ideology. Therefore, it is likely that he will formulate his India policy based on the dictates of that group. However, it is not necessary that an elected government will adopt a similar approach towards India, as it will also face the issue of accountability to the public. It would also be inaccurate to assume that the status quo will remain in India's thinking regarding Bangladesh. Sheikh Hasina sentenced to death. Questions about the independence of the tribunal. Impact on India-Bangladesh relations. When Bangladesh's ousted Prime Minister Sheikh Hasina established the International Crimes Tribunal in 2010, she could not have imagined that the same court would sentence her to death 15 years later. Prime Minister Hasina established this tribunal to punish the perpetrators of the 1971 Liberation War and to bring those guilty of heinous crimes against humanity to justice. Recently, this same tribunal sentenced Sheikh Hasina to death. Several cases are filed against her in Bangladesh, most of which relate to the July 2024 protests. The Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights has condemned Hasina's death sentence as unjust. However, it also stated that the conviction of former Prime Minister Sheikh Hasina represents an important milestone for victims of serious violations committed during the suppression of last year's protests. It is noteworthy that in its fact-finding report in February this year, the Office of the High Commissioner also found former Prime Minister Hasina's involvement in the police action carried out in July-August 2024. Since former Prime Minister Sheikh Hasina is currently in India and the tribunal proceedings were conducted at the whims of the current government, such a decision in her absence raises questions about the tribunal's independence and appears politically motivated. This decision also makes it almost clear that Sheikh Hasina's return to Bangladesh is now impossible. The government of Mohammad Yunus, the chief advisor of the interim administration, has already banned Sheikh Hasina's Awami League party, and now the decision to sentence Hasina to death is likely to end any remaining hopes of her return. This has sparked a new debate about Bangladesh's future. First, how justified such a decision is, and second, what stance should India adopt on Bangladesh's demand for Hasina's extradition? There is no possibility that India will hand over Sheikh Hasina to Bangladesh. Bangladesh should not expect this, but it is also certain that it will continue to demand her return. In this context, it cannot be overlooked that Sheikh Hasina was hurriedly sent from Dhaka to Delhi by the same army whose support had established the interim government led by Muhammad Yunus. Considering the current situation in Bangladesh, it represents a different chapter in this country's history. The first chapter is the scenario created by the 1971 independence movement, its separation from Pakistan, and India's unwavering support. The second chapter arose from the July 2024 movement, which aimed to change the political course of Bangladesh. It is difficult to imagine a Bangladesh without the Awami League and Sheikh Hasina, but history bears witness that in their absence or weakness, certain forces grew stronger in Bangladesh. These days, such fundamentalist forces are gaining strength, and most of them are sympathizers of Pakistan, the same Pakistan that inflicted horrific torture on its people before the creation of Bangladesh. Now that a large segment of Bangladesh's population is determined to rewrite its history, and the interim government is supporting it, it's impossible to ignore the fact that Sheikh Hasina's portrayal of 1971 also went against her. A new generation in Bangladesh is unable to connect with the history of 1971 like the older generation, so a shift in foreign policy is natural. As the anti-India sentiment in Bangladesh is building, perhaps this is an opportunity for New Delhi to explore the possibilities of dialogue with Dhaka beyond that history and within the current context. However, this is not easy, as Bangladesh's geostrategic position and the numerous aggressive extremist groups operating there pose a significant threat to India's security. The recent Delhi bombings also appear to have links to Bangladesh. Furthermore, unlike China, India cannot dismiss Bangladesh's affairs as merely an internal issue, as infiltrators from there continue to pose a threat to India's sovereignty and integrity. Even if India were to extend a new hand to Bangladesh, it is not entirely certain that it would receive a positive response. Anti-India sentiment has become an integral part of Bangladesh's current climate, and the issue of Sheikh Hasina's extradition will continue to be raised repeatedly. Mohammad Yunus is an unelected chief advisor to the interim government. He was placed at the helm of power by a specific group and ideology. Therefore, it is likely that he will formulate his India policy based on the dictates of that group. However, it is not necessary that an elected government would adopt a similar attitude towards India, as it faces the responsibility of accountability to the public. There will also be a political aspect. It would also be inaccurate to assume that the status quo will remain in India's thinking regarding Bangladesh. Given the current political climate in Bangladesh, this could present an opportunity for the Bangladesh Nationalist Party, which has been opposed to Sheikh Hasina due to her affinity for India, to form a government with allies. However, it should be remembered that foreign policy is based on realpolitik rather than ideological stances, and such a stance will play a major role in India-Bangladesh policymaking in the days to come.

## पराली- गन्ने की पत्ती जलाने पर 7 किसानों से वसूला 35 हजार का जुर्माना

मुरादाबाद। जिले में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कृषि विभाग ने बिलारी और ठाकुरद्वारा क्षेत्र के पांच किसानों पर पराली जलाने का दोषी पाए जाने पर 35 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। रविवार को उप कृषि निदेशक संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 7 किसानों पर कुल 35 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जा चुका है। पराली जलाने की रोकथाम के लिए डीएम



प्रतिदिन लोकेशन ली जा रही है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की सूचना सैटेलाइट सिस्टम से रोजाना प्राप्त होती है, जिसमें स्थल का अक्षांश-देशांतर भी शामिल रहता है। इसके आधार पर विभागीय कर्मचारी मौके पर जाकर जांच करते हैं और रिपोर्ट तैयार करते हैं। पराली जलाने पर सरकार की ओर से जुर्माने की दरें तय की गई हैं। गन्ना किसानों का सट्टा लॉक करा दिया जाएगा। पराली जलाने पर दो एकड़ तक 5 हजार रुपये, दो से पांच एकड़ तक 10रुपये,पांच एकड़ से ऊपर 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। उप कृषि निदेशक ने चेतावनी दी कि पराली जलाते पाए गए किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा सकता है। वहीं, गन्ने की पत्तियां जलाने वाले किसानों का गन्ना सट्टा (पर्ची) भी बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से प्रदूषण बढ़ता है और पैदावार घटती है। बिलारी और ठाकुरद्वारा में कुछ किसानों ने फसल कटान के बाद खेतों में रखी पराली में आग लगा दी। शिकायत मिलने पर विभागीय टीम मौके पर पहुंची और जांच कर किसानों को दोषी पाया। फसल के साथ स्वास्थ्य के लिए भी खतरा-द्विवेदी ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। इससे श्वास, त्वचा और आंखों के रोग बढ़ते हैं और मिट्टी के लाभदायक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होता है। मौसम में बढ़ते प्रदूषण और धुएं की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही किसानों को पराली न जलाने की सख्त हिदायत दी थी। कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव जागरुकता अभियान चलाकर पराली प्रबंधन के विकल्प भी बताए गए थे।

## मुरादाबाद में 10 डिग्री पहुंचा न्यूनतम तापमान, सुबह और शाम छाने लगा कोहरा, बढ़ने लगी ठिठुरन

मुरादाबाद में सुबह और शाम को कोहरा छाने लगा है। इससे ठंड में इजाफा हो गया है। मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते तक कोहरा और धुंध बने रहने की चेतावनी दी है।दो दिन से सुबह और शाम को घना कोहरा छाने लगा है। इससे ठंड अचानक बढ़ गई है। विभाग ने आने वाले दिनों में व कोहरे की चेतावनी जारी की गया।सुबह के समय 500 मीटर तक ही विजिबिलिटी रही। कोहरा या धुंध बनी रहेगी। तापमान 10-11 डिग्री सेल्सियस के और न्यूनतम 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।उधर, देर से धूप चलते लोगों ने सुबह के सैर का समय बदल दिया है। कई जगहों दृश्यता बेहद कम रही। कुछ फीट दूर से ही वाहन नजर नहीं आ केंद्र के प्रभारी डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि इन दिनों गेहूं की साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि ठंड और कोहरे का यह दौर बढ़वार पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। एक्यूआई पुअर श्रेणी प्रभावित हुई है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 140 रहा। यह मॉडरेट श्रेणी है। ईको हर्बल पार्क में एक्यूआई 258 रहने के साथ पुअर श्रेणी में दर्ज किया गया। इसके अलावा रोजगार कार्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 183 दर्ज किया। सुबह-शाम बाहर निकलते समय सावधानी बरतें- गिरते तापमान के बीच जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मौसम का यह बदलाव स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। इसलिए एहतियात बेहद जरूरी है। ठंड में सिर और कान ढककर निकलें अस्थमा व सांस के मरीज मास्क पहनकर बाहर निकलें सुबह की सैर फिलहाल टालना बेहतर



रविवार को शहर के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम है।रविवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के करीब पहुंच मौसम विभाग का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक सुबह आसपास रहने का अनुमान है, जबकि अधिकतम आर्द्रता 80 निकलने और रात में ओस गिरने से सर्दी बढ़ गई है। कोहरे के पर लोग अलाव का सहारा लेते दिखे। हाईवे पर सुबह के समय रहे थे। इससे वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। कृषि विज्ञान बोआई जोरों पर है। मौजूदा मौसम किसानों के लिए फायदेमंद फसलों के लिए लाभकारी है। सभी प्रकार की रबी फसलों की में दर्ज- मुरादाबाद में ठंड बढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता भी 100 से 250 के बीच दर्ज किया गया। बुद्धि विहार में एक्यूआई

## हमें अब इंसाफ की उम्मीद.., गम से उबर नहीं पा रहे हैं संभल बवाल में जान गंवाने वालों के परिजन

संभल बवाल में जान गंवाने वालों के परिजन गम से उबर नहीं पा रहे हैं। परिजन को अब इंसाफ मिलने का इंतजार है। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में पांच लोगों की जान गई थी।संभल में जामा मस्जिद बवाल के दौरान जिन पांच लोगों की ही कार्रवाई से इन्कार कर दिया था। अभी भी वह मोहल्ला कोट निवासी नईम, सरायतरीन निवासी अयान के परिजन इंसाफ चाहते हैं। इन चार मृतकों इसकी पूरी उम्मीद है। इसके लिए प्रयास भी कर कामिल का कहना है कि हमने जो देखा और जो करा चुके हैं। हमें उम्मीद है कि एक दिन अदालत अयान सबसे छोटा था और होटल पर वेंटर का बीमार रहती हैं।मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए कि मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला था कहना है कि हमें अब अदालत से ही इंसाफ मिलने था% कैफ के पिता मोहम्मद हुसैन का कहना है कि उसकी मौत की खबर मिली। मायूस पिता का उम्मीद है%हमें इंसाफ मिले इसके लिए अदालत पर भरोसा है% नईम की मौत के बाद से पूरा परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। बताया कि अब हमें इंसाफ अदालत से मिलेगा। इसकी पूरी उम्मीद है। बिलाल संभल में बच्चों के कपड़े बेचता था। उसके भाई सलमान का कहना है कि भाई तो दुकान पर जाने के लिए निकला था। उसको गोली मार दी। हमें इंसाफ मिले इसके लिए अदालत पर भरोसा है।सूझबूझ दिखाकर बवाल फैलने से रोकने में एसपी को मिला है सीएम मेडल- बवाल करीब चार घंटे तक शहर में हुआ था। यह बवाल सांप्रदायिक रूप न ले इसको लेकर एसपी कृष्ण कुमार विशनोई ने काफी सूझबूझ दिखाई और दूसरे समुदाय के लोग जिन इलाके में रहते हैं वहां फोर्स तैनात करवाया। इसके बाद हालात पर काबू पाया। इसको शासन ने भी सराहा है। एसपी को मुख्यमंत्री द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया है। एसपी ने फोर्स का नेतृत्व खुद संभाला था। जामा मस्जिद पर बवाल काबू होने के बाद हिंदूपुरा खेड़ा इलाके में तो उनपर गोली चलाई गई थी। जिसमें वो बाल-बाल बचे थे। इस सब के बाद भी एसपी ने फोर्स की हिम्मत कम नहीं होने दी। इसका असर ये रहा कि हालत पर काबू पा लिए गए और शहर में शांति कायम हो सकी।



जान गई, उसमें रोमान के परिवार ने तो घटना के समय इस मामले में कोई बात करना नहीं चाहते हैं। लेकिन बिलाल, तुर्तीपुर इल्हा निवासी कैफ और कोटगर्वा निवासी के परिजनों का कहना है कि अदालत से इंसाफ मिलेगा। रहे हैं। अब इंसाफ मिलने का इंतजार है।अयान के भाई हमारे भाई के साथ हुआ। इसका बयान अदालत में दर्ज से जरूर इंसाफ मिलेगा। बताया कि सात भाइयों में काम करता था। मां नफीसा बेटे की मौत के बाद से ही निकला था% कैफ के पिता मोहम्मद हुसैन का कहना है लेकिन उसकी मौत की खबर मिली। मायूस पिता का की उम्मीद है।मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला मेरा बेटा तो खिलौने बेचने के लिए निकला था लेकिन कहना है कि हमें अब अदालत से ही इंसाफ मिलने की

### संभल हिंसा को एक साल : पुलिस-प्रशासन अलट...डीएम ने शहर को 16 सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट किये तैनात

संभल। संभल में बीते हुई हिंसा की घटना को आज एक वर्ष पूरा हो गया। हिंसा का एक साल पूरा होने के दिन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। असामाजिक तत्वों पर निगरानी के साथ ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। विवादित धार्मिक स्थल से लेकर शहर के संवेदनशील इलाकों तक पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा इंतजाम मजबूत कर दिए हैं। जिलाधिकारी ने संभल शहर को 16 सेक्टर में बांटकर सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किये हैं। विवादित परिसर के आसपास ड्रोन से निगरानी की जा रही है। वहीं पूरे शहर के हालात पर सीसीटीवी से निगाह रखी जा रही है। 24 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान सर्वे का विरोध करते हुए मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर आ गई थी। इस दौरान पुलिस पर जमकर पथराव व फायरिंग की घटनाओं के साथ ही तोड़फोड़ व आगजनी भी की गई थी। इस हिंसा में गोली लगने से 4 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा की घटना को लेकर जहां सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क व सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल सहित तमाम लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किये गये थे वहीं पुलिस ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली सहित सौ से ज्यादा लोगों को हिंसा में शामिल होने के आरोप में जेल भेजा था। संभल हिंसा का मास्टरमाइंड दुबई में बैठे गैंगस्टर सारिक साठा को बताया गया था। शारिक की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी की जा रही है। अब हिंसा की घटना को आज एक साल पूरा हो रहा है तो पुलिस प्रशासन ने संभल शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किये हैं।विवादित परिसर के आसपास कड़ी सुरक्षाहिंसा का एक साल पूरा होने के मद्देनजर संभल में शांति व्यवस्था के लिए शहर में पुख्ता पुलिस प्रबंध किये जाने के साथ ही विवादित परिसर के आसपास बेहद सख्त इंतजाम किये गये हैं। यहां ड्रोन से निगरानी की जा रही है। रविवार दोपहर करीब 1 बजे एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ संभल कोतवाली क्षेत्र की सत्यव्रत पुलिस चौकी पहुंचे। यहां उन्होंने इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह और चौकी इंचार्ज आशीष तोमर के साथ सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम का गहन निरीक्षण किया। इसके बाद जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सचिव मसूद फारूकी से बात की। पुलिस ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। एएसपी ने बताया कि 24 नवंबर को आरआरएफ,पीएसी व नागरिक पुलिस का विशेष डेप्लॉयमेंट किया गया है। कंट्रोल रूम में लगे सभी क्रियाशील कैमरों की जांच की गई है। इंतजामिया कमेटी द्वारा लगाए गए कैमरों की फीड भी चेक की गई है।उन्होंने कहा कि ड्रोन की मदद से पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया पर जिला स्तर से लेकर उच्च स्तर तक निगरानी रखी जा रही है। घटना से जुड़े करीब 24 लोगों को जमानत मिल चुकी है, पुलिस उनसे लगातार संपर्क में है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। बाकी मामलों की प्रगति को भी मॉनिटर किया जा रहा है। इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर को घटना का एक साल पूरा हो रहा है, और प्रशासन व कमेटी इस प्रयास में हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो। सभी से सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की उम्मीद है।



### संक्षिप्त समाचार

## लालबाग, ताजपुर में ई-कचरा जलाने का खेल उजागर, 68 अवैध भट्टियां चिन्हित

मुरादाबाद। नवाबपुरा और लालबाग क्षेत्र के छड़ियों के मैदान में लंबे समय से चल रहे ई-कचरा जलाने वाले अवैध भट्टियों के कारोबार पर अब प्रशासनिक शिकंजा कसना शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों की शिकायतों और बढ़ते प्रदूषण स्तर को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस पूरे नेटवर्क की जांच शुरू की, जिसमें 68 अनधिकृत भट्टियां चिन्हित की गई हैं। ताजपुर और जामा मस्जिद पुल के नीचे रात में ई कचरा जलाने के कारोबार के लिए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ की जाएगी छापेमारी।रविवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने ताजपुर, जामा मस्जिद,नवाबपुरा, लालबाग इलाके में जांच की, जिसमें कई भट्टियां बिना लाइसेंस, बिना सुरक्षा मानकों, और बिना किसी पर्यावरणीय स्वीकृति के धधकती मिलीं। ये भट्टियां चोरी-छिपे ई-कचरा, तार-तारियां, और इलेक्ट्रॉनिक सामान का प्लास्टिक व धातु गलाकर कबाड़ अलग करने का काम कर रही थीं। जांच रिपोर्ट के बाद 68 अवैध भट्टियों को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी है।सोमवार से ध्वस्तीकरण अभियान शुरू होगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अलावा नगर निगम, पुलिस विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम शामिल होगी। उन्होंने कहा कि किसी के पास विभाग की कोई अनुमति नहीं है।



## डेंगू और मलेरिया का प्रकोप जारी, 103 पहुंची मरीजों की संख्या

मुरादाबाद। जिले में डेंगू और मलेरिया के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में तीन नए डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद जिले में अब तक कुल 35 लोग डेंगू से प्रभावित



हो चुके हैं। वहीं, मलेरिया के दो नए मामले सामने आने से इस बीमारी के मरीजों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। दोनों बीमारियों को मिलाकर संक्रमितों की कुल संख्या अब 103 तक पहुंच गई है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नए मिले डेंगू मरीज शहरी क्षेत्र से ही हैं। जबकि मलेरिया के मरीज ग्रामीण इलाकों से सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में जाकर मरीजों की सूची तैयार कर रही हैं और उनके संपर्क में आए लोगों का भी परीक्षण किया जा रहा है। लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने फॉगिंग और एंटी-लार्वा अभियान को तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, जलभराव वाले इलाकों की सफाई और खुले में रखे पानी के कटेनरों को खाली कराने का भी अभियान चलाया जा रहा है। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि डेंगू के सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और उन्हें या तो घर पर निगरानी में रखा गया है या जिला अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। पूरी बाजू के कपड़े पहनें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और बुखार की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करावाएं।

### क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इय्यँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## डिलारी पुलिस का सराहनीय कार्य डिलारी पुलिस ने भटके बच्चे को परिवार से मिलवाया

क्यूँ न लिखूँ सच / मुगदाबाद । डिलारी थाना क्षेत्र की पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए एक खोए हुए बच्चे को उसकी माँ से मिलाकर सराहनीय कार्य किया। घटना कल दिनांक 23.11.2025 को समय शाम करीब 8-०0 बजे एक बच्चा उम्र करीब 9 वर्ष जो मानसिक रूप से कमजोर है थाना डिलारी जनपद मुगदाबाद पर भटक कर आ गया था।जिसे मिशन शक्ति केंद्र थाना डिलारी पर बैठकर नाम पता पूछा गया तो कोई भी जानकारी नहीं दे सका। जिसकी पहचान सोशल मीडिया सेल एवं अन्य माध्यम से लगनशील होकर की गई तो



उक्त बच्चा की पहचान अर्श पुत्र मोहम्मद इदरीश निवासी सिरसावा दोराहा थाना भोजपुर जनपद मुगदाबाद के रूप में हुई। उक्त बच्चे को उसकी मां श्रीमती शकीला पत्नी मोहम्मद इदरीश निवासी सिरसावा दौराहा थाना

## ओवरलोडिंग से वसूली: एसटीएफ के रडार पर जांच के बीच अचानक छुट्टी पर गए परिवहन अधिकारी, कौन-कौन है शामिल

ओवरलोडिंग से वसूली मामले में जांच के बीच अचानक छुट्टी पर गए परिवहन अधिकारी एसटीएफ के रडार पर हैं। उत्तर प्रदेश में ओवरलोडिंग वाहनों से अवैध वसूली के सिंडिकेट की जांच कर रही एसटीएफ के रडार पर परिवहन विभाग के कई अधिकारी आ गए हैं। ये अधिकारी एसटीएफ जांच शुरू होते ही अचानक चिकित्सकीय अवकाश पर चले गए हैं और उनके मोबाइल नंबर भी बंद हैं।एसटीएफ ने इस सिंडिकेट के खिलाफ मड़ियांव थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ में तैनात एआरटीओ (प्रवर्तन) राजीव कुमार बंसल समेत कई अन्य लोग नामजद हैं। एसटीएफ की टीम जांच के सिलसिले में कई बार



ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ कार्यालय जाकर दस्तावेज खंगाल चुकी है।परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने इन अधिकारियों के अवकाश पर जाने के बाद कार्यभार उनके समकक्षों को सौंपने के निर्देश जारी किए हैं।जिन अधिकारियों के छुट्टी पर जाने की पुष्टि हुई है, उनमें शामिल हैं- राजीव कुमार बंसल (एआरटीओ, प्रवर्तन, ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ, लखनऊ) संजीव कुमार सिंह (एआरटीओ, प्रवर्तन, उन्नाव)

## बरेली में अवैध मार्केट जमींदोज:

## दुकानदारों के सपने हुए दफन, दुकान

## खरीदने वाले हुमायूं की बिगड़ी तबीयत

बरेली में कॉलोनाइजर मोहम्मद आरिफ ने जगतपुर रोड पर आकाशपुरम कॉलोनी के पास अवैध तरीके से दोर्मजिला मार्केट बनवाई थी, जिसे बीडीए ने ध्वस्त कर दिया। मार्केट जमींदोज होने के साथ ही यहां के दुकानदारों के सपने दफन हो गए। बरेली में कॉलोनाइजर मोहम्मद आरिफ की अवैध दुकानों के मलबे में खरीदारों के डेढ़ करोड़ रुपये दफन हो गए। उनके सपने टूट गए। कल तक जो कारोबारी थे, आज एक झटके में बेरोजगार हो गए।



है।उन्होंने यह भी बताया कि उनके पड़ोसी मुजीब ने भी चार नंबर की दुकान 30 लाख रुपये में खरीदी थी, लेकिन बाद में उनका मूड बदल गया तो उन्होंने शटर पर दुकान बिकाऊ है... लिखवा रखा था। मॉर्केट के भूतल पर 30 लाख रुपये में दुकान खरीदकर मेडिकल स्टोर वाले ने महीने भर पहले ही काम शुरू किया था। पूंजी डूबी, अब हो गए बेरोजगार – जगतपुर के नदीम ने मॉर्केट में दूसरी मंजिल पर सैलून खोल रखा था। उन्होंने बताया कि आरिफ को 30,000 रुपये एडवांस पगड़ी के रूप में दिए थे और आठ हजार रुपये प्रतिमाह किराया दे रहे थे। छह महीने पहले ही दुकान खोली थी। इसकी सजावट पर दो लाख रुपये खर्च किया था। दुकान में चार अन्य लोग भी काम करते

भोजपुर जनपद मुगदाबाद एवं परिजनों को बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया। बच्चे की मां एवं परिजनों व क्षेत्र वासियों द्वारा बच्चा मिलने पर बेहद प्रसन्नता प्रकट की गई।एवं पुलिस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। माँ ने अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर पुलिस का धन्यवाद किया और भावुक हो उठी। डिलारी थाना प्रभारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा और सहायता करना हमारी प्राथमिक ज़म्मेदारी है। बच्चे का सकुशल मिलना हमारे लिए खुशी की बात है।स्थानीय लोगों ने भी डिलारी पुलिस की तत्परता और मानवीय पहल की प्रशंसा की है।

## हसनपुर में S I R की धीमी रफ्तार को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता व वार्ड 03 के सभासद शराफत मलिक ने संभाला मोर्चा हेल्प डेस्क बनाकर लोगों को दी राहत



**क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक/** अमरोहा जनपद /उत्तर प्रदेश-तहसील हसनपुर व नगर पालिका परिषद हसनपुर में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे "S I R" स्पेशल समरी रिवीजन अभियान का पहला चरण बीएलओ की सुस्ती के कारण धीमी गति से चल रहा है। गणना प्रपत्र भरवाने के लिए लोग दिनभर भटकते दिखाई दे रहे हैं। मतदाताओं की इसी परेशानी को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं वार्ड 03 के सभासद शराफत मलिक मोहल्ला होली वाला हिरन वाला हसनपुर ने आगे आकर अपने ही आवास पर "S I R" हेल्प डेस्क का गठन किया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है। चुनाव आयोग के आदेशानुसार इस समय "S I R" प्रक्रिया के

## सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण: पटरी पर लौटने लगी जिंदगी, मलबे में दुकानों के बोर्ड लगे, आसपास शिफ्ट हुए दुकानदार



शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के भूखंड संख्या 661/6 के ध्वस्तीकरण को करीब एक महीना बीत चुका है। अब इलाके में फिर से जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। जहां कुछ सप्ताह पहले लगभग 30 फीट ऊंचा मलबा था, वहीं अब ध्वस्त दुकानों के बोर्ड लगाकर नए प्रतिष्ठानों की जानकारी दी जा रही है। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के 661/6 के ध्वस्तीकरण के करीब महीने भर बाद जिंदगी अब पटरी पर आने लगी है। करीब तीस फुट ऊंचे मलबे के ढेर पर अब ध्वस्त दुकानों के बोर्ड लगने लगे हैं। यह दुकानें सभी आसपास ही शिफ्ट हो गई हैं। सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण में 661/6 में कौन कौन सी दुकानें थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 17 दिसंबर 2024 को सेंट्रल मार्केट के इस आवासीय भूखंड पर बने व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स को तीन

माह में खाली कराकर दो सप्ताह में ध्वस्त कराने का आदेश दिया था। यह भूखंड 1986 में आवासीय उपयोग के लिए आवंटित हुआ था, जहां व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के रूप में अवैध निर्माण बढ़ता गया।आवास विकास परिषद ने 1990 में नोटिस देकर इसे गिराने को कहा था, लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरने के बाद आखिरकार काम्प्लेक्स बचाने की व्यापारियों की दलील हार गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी किसी व्यापारी ने दुकान से सामान नहीं हटाया। याचिकाकर्ता लोकेश खुराना ने अवमानना का वाद सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया।छह अक्टूबर को अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गृह सचिव, आवास आयुक्त, डीएम, एसएसपी, आवास विकास के

## भदोही में दर्दनाक हादसा...जहरीली गैस से तीन लोगों की मौत , कालीन कंपनी में मोटर ठीक कर रहे थे मैकेनिक; दहशत

उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। कालीन कंपनी में तीन मैकेनिक मोटर ठीक कर रहे थे, तभी जहरीली गैस लीक हो गई। इस हादसे को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश भी व्याप्त हो गया है। जिले की एक कालीन कंपनी में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब डाइंग हाउस के केबिन में उतरकर मोटर ठीक करने गए तीन मैकेनिकों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है।दयालापुर निवासी शितला मिश्र (55), सहसेपुर के शिवम् दुबे (32) और



मध्यप्रदेश के राजकिशोर तिवारी (52), औराई स्थित एक कालीन कंपनी में इलेक्ट्रिशियन व मोटर मैकेनिक थे। डाइंग हाउस में बिगड़ी मोटर को ठीक करने के लिए केबिन में उतरे थे। बताया जा रहा है कि केबिन में कुछ समय पहले वॉशिंग और ई.टी.पी. प्लांट से जुड़ी प्रक्रिया के दौरान जहरीली गैस भर गई

जहां पर बैठकर ग्यारह व बारे बजे तक वार्ड 03 के वर्तमान सभासद शराफत मलिक अपना पूरा योगदान निःशुल्क गणना प्रपत्र भरवाने का काम कर रहे हैं। उनके साथ शराफत हुसैन और इरशाद मलिक भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लोगों का कहना है कि हेल्प डेस्क की वजह से उन्हें अब प्रपत्र भरने में कोई दिक्कत नहीं आ रही। उधर, नगर के बीएलओ का कार्य संतोषजनक बताया जा रहा है, जबकि अन्य बीएलओ के रवैये से मतदाताओं में नाराजगी है। लोगों ने मांग की है कि चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरें, ताकि न तो भ्रम पैदा हो और न ही कार्य में देरी हो। यह पूरी प्रक्रिया साफ-सुथरे चुनाव की नींव है, इसलिए इसकी गति और पारदर्शिता बेहद जरूरी मानी जा रही है इस मौके पर अपने फार्म को भरवाने के लिए मौजूद रहे निजाम उर्फ निजामुद्दीन, शरीफ, फिरोज मलिक, सलमान मलिक, सुभान मलिक, पप्पू अब्बासी, काफी संख्या में लोग अपनी समस्या को लेकर मौजूद रहे

## प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

### संक्षिप्त समाचार

## आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से परेशान हुए अंबेडकर चौक व ब्लॉक के आस पास के निवासी

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक/ जिला अमरोहा /उत्तर प्रदेश तहसील हसनपुर अंबेडकर चौक से लेकर ब्लॉक के तिराह तक कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जिला अमरोहा के तहसील हसनपुर व ब्लॉक से अंबेडकर चौक तक व पंसारा बाजार में कुत्तों और बंदरों का आतंक बहुत ज्यादा हो गया है। रोड और बाजार में आवारा घूम रहे कुत्ते स्कूल आने जाने वाले बच्चों, दो पहिया वाहनों और पैदल बाजार आने जाने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं तो वहीं पर अंबेडकर चौक वे ब्लॉक के आसपास के स्थित दुकानदारों जैसे फल विक्रेताओं, सब्जी बेच रहे हैं दुकानदारों एवं जलपान की दुकानों पर बंदरों का आतंक बहुत ज्यादा हो गया है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने बंदरों और आवारा कुत्तों से प्रशासन से निजात दिलाने की मांग की है।



## यूपी में दूल्हे की मौत: हाईवे पर सुबोध की ऐसे आई मौत; चढ़त से पहले अचानक हुई थी तबीयत खराब

यूपी के बागपत जिले में चढ़त से पहले ट्रक की टक्कर से दूल्हे की मौत हो गई। चढ़त से पहले दूल्हे को उल्टी होने लगी थी।

दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे किनारे दूल्हा उल्टी करने लगा तो ट्रक ने टक्कर मार दी। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से



दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां चढ़त से पहले दूल्हे की मौत हो गई। शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने दूल्हे के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, सरूरपुरकलां गांव में रविवार रात को चढ़त से पहले दूल्हे सुबोध (25) निवासी बिनौली को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वह तबीयत खराब होने पर दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे किनारे खड़े होकर उल्टी कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उसे टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक को लेकर भाग गया। बिनौली गांव के फिजियोथैरेपिस्ट सुबोध की बरात रविवार को सरूरपुरकलां गांव में आई थी। बरात के स्वागत व नाश्ते के बाद चढ़त की तैयारी होने लगी। चढ़त शुरू होने से पहले दूल्हे सुबोध की तबीयत खराब हो गई और वह सड़क किनारे खड़ा होकर उल्टी करने लगा। तभी दिल्ली की तरफ से आए ट्रक ने सुबोध को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुबोध सड़क पर गिर गया। तभी बराती उसे जिला अस्पताल लेकर जाने लगे मगर उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस वहां आई और घटना की जानकारी ली गई। जांच अधिकारी दीक्षित त्यागी के अनुसार ट्रक का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जाएगी, जिससे उसको पकड़ा जा सके। शादी की खुशियां चंद मिनटों में गम में बदलीं-सुबोध की चढ़त की तैयारी चल रही थी और बराती खुशी मना रहे थे, दुल्हन के घर भी खुशियां मनाई जा रहीं थीं। हादसे का पता चलते ही दोनों घरों में मातम छ गया। अस्पताल पहुंचे कई बरातियों ने बताया कि हादसे में सुबोध की मौत का काफी बरातियों को पता ही नहीं था और सभी खुशियां मनाने में लगे थे। जिनको मौत के बारे में बताया भी गया तो उनको शुरुआत में विश्वास नहीं हुआ। इसकी कई जगह जानकारी करने के बाद लोग अस्पताल में पहुंचने लगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच  
को जिला एवं तहसील स्तर पर  
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन  
प्रतिनिधि चाहिए

**9027776991**  
knslslive@gmail.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 45 साल पुराने जमीन के एक विवाद में स्थगन आदेश हासिल कर मुकदमे को दशकों तक लंबित रखने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 45 साल पुराने जमीन के एक विवाद में स्थगन आदेश हासिल कर मुकदमे को दशकों तक लंबित रखने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने बलिया निवासी शेख मोहम्मद मुर्तजा की द्वितीय अपील खारिज कर दी। मामला बलिया जनपद निवासी शेख वाजिद अली और शेख मोहम्मद मुर्तजा के बीच जमीन पर कब्जे का है। ट्रायल कोर्ट ने 1979 में वाजिद अली के पक्ष में फैसला दिया था। इसके खिलाफ प्रतिवादी मोहम्मद मुर्तजा की पहली अपील 1980 में जिला जज कोर्ट से खारिज हो गई। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में दूसरी अपील दाखिल की लेकिन 1980 से अब तक वह यह बताते हैं कि विफल रहे कि आखिर वह विधि के किस महत्वपूर्ण बिंदु पर सुनवाई चाहते हैं। कोर्ट ने यह भी पाया कि ट्रायल कोर्ट ने खेतौनी, मानचित्र और गवाहों के आधार पर जमीन का सही मालिक व कब्जाधारी तय किया था।



# Prepare fresh rose water in just 10 minutes, learn the easy method that no one knows.

If the rose water available in the market doesn't suit you, don't worry. Here, we're going to tell you how to make rose water at home. Commercial rose water is often filled with chemicals, preservatives, and artificial fragrances, with sensitive skin often experience water. It can often cause allergic reactions, worry about this, because you can easily Homemade rose water is not only within without any side effects. In this water, its benefits, and the proper way to Making Rose Water at Home: 8-10 fresh Method: To make rose water, first wash Place them in a steel container and add a the water to a boil. Once the color completely, let the rose water cool, then it in the refrigerator. It's safe for 10-12 always be kept refrigerated, otherwise it the skin: Rose water gently narrows This leaves the skin neither too dry nor natural balance. Regular use leaves the redness: The natural cooling properties If the face is red due to sun exposure or applying it to the face soothes the skin, and the redness gradually fades. 3. Relieves eye fatigue: Rose water reduces puffiness and heaviness around the eyes. Soaking cotton balls in it and holding them over the eyes for a few minutes provides relief. It is also useful in reducing fatigue caused by prolonged use on mobile phones and laptops. It reduces eye strain and provides a feeling of lightness.



which are not tolerated by everyone's skin. People significant problems with this chemical-laden rose itching, or irritation. But now you don't need to make pure and natural rose water at home. completely safe but also nourishes the skin from article, we'll explain the easy method of making rose store it, so your skin stays glowing. Ingredients for rose petals 1 cup filtered water Glass container the fresh rose petals thoroughly with clean water. little water. Then, turn the heat on low and bring changes, turn off the heat. Once the color changes strain it and store it in a glass bottle. Finally, store days. Keep in mind that homemade rose water must will damage your skin. Benefits: 1. Naturally tones pores and maintains the skin's moisture balance. too greasy. It refreshes the skin by maintaining its face looking clean, soft, and fresh. 2. Reduces facial in rose water soothe inflammation and irritation. allergies, using rose water provides relief. Gently

## If you want the benefit of the 22nd installment, farmers should complete these three tasks today, otherwise...

The next installment of the PM Kisan Yojana will be the 22nd installment. To avoid missing out on this benefit, get the necessary work done now. Numerous schemes have been launched across the country to provide and central governments run ensure farmers face no difficulties government runs the Pradhan KISAN scheme), which provides of ₹2,000 each are given three have been released so far. Now it's requires some work. You can learn advance to avoid delays in your farmers must complete to receive Yojana, installment benefits are are also required to complete tasks could result in a delay in completing these tasks on time is benefits. These tasks are essential installment benefits, it's essential result in a loss. Therefore, it's complete e-KYC at your nearest pmkisan.gov.in. Second, after e- This involves verifying the Kisan Yojana. This is also an work done, you may be deprived do not forget to get it done. Third task - The third task to avail the benefits of the installment of PM Kisan Yojana is Aadhar linking. This work is necessary for farmers. This involves linking your Aadhar card to your bank account. If you don't get this work done, you may be deprived of the benefits of the installment. Therefore, this important work also has to be done.



financial assistance to farmers. Both state various schemes at their respective levels to in farming. For example, the central Mantri Kisan Samman Nidhi Yojana (PM-financial assistance to farmers. Installments times a year, and a total of 21 installments the turn of the 22nd installment, which about these tasks here and get them done in installment. So let's explore the three tasks the 22nd installment. Under the PM Kisan only provided to eligible farmers. Farmers certain tasks, as failing to complete these receiving the installment. Therefore, crucial for farmers to receive the installment for farmers: First, if you want to receive the to complete e-KYC. Failure to do so could crucial to complete these tasks. You can CSC center or the scheme's official portal, KYC, the second task is land verification. cultivable land of farmers enrolled in the PM important task, and if you don't get this of the benefits of the installment. Therefore,

## Avoid these mistakes when preparing greens in winter to enhance their flavor.

With the arrival of winter, people start preparing greens in their homes. Therefore, you should avoid making certain mistakes while preparing them. As soon as winter begins, the aroma of green vegetables spreads throughout every home. popular during this season. Greens prepared during vitamins. Consequently, greens are prepared in mistakes often diminish their taste and nutritional preparing them. In this article, we will explain some how to easily avoid them to prepare delicious, cleaning the leaves properly - It is extremely green leaves are covered in dust, dirt, and sometimes two or three times, they not only spoil the food but water. Washing the greens in hot water will clean often cook the tough parts of the greens along with tough parts of the greens are often bitter. slow to cook and can lead to a bitter taste. Therefore, is very important to use the right amount of water much water will make the greens thin and tasteless. Cooking the greens on low heat improves their taste. stirring the saag continuously will darken its color. a very good saag. Overcooking: Boiling the saag for a long time destroys its nutrients. Cook it only till its leaves wilt. It can be made edible by lightly cooking it for a while and adding tadka at the end. Wrong tempering: It is very important to have the right tempering in the saag, because the taste of the saag comes out only through tempering. Many people add too strong spices which suppress its native taste. A mild tempering of desi ghee, garlic and red chili is considered the best.



Mustard, spinach, fenugreek, and other greens are especially this season not only provide freshness but also warmth and almost every home. But did you know that some small value? Therefore, it is extremely important to be careful while common mistakes people make while preparing greens and nutritious, and authentically Indian-flavored greens. Not important to clean the greens thoroughly. This is because even small insects. If the leaves are not washed thoroughly also have health implications. You can also wash them in hot them thoroughly. Cooking the tough parts together - People the greens. This should never be done. Keep in mind that the Furthermore, cooking both together can make the greens always boil the leaves separately. Adding too much water - It in the greens. Always keep the water in the pan. Adding too Always let the greens cook in their own water over low heat. Stirring frequently - Never stir frequently. Keep in mind that It is better to let it cook slowly on its own. This gives the saag

# After "Dhurandhar," Ranveer Singh will play Don; Farhan also provided an update on Priyanka and Katrina's Zee Le Zaraa.

After "Dhurandhar," Ranveer Singh will play Don; Farhan also provided an update on Priyanka and Katrina's Zee Le Zaraa. Farhan Akhtar shared an update on Don 3. He also talked about Priyanka and Katrina's Akhtar is currently promoting chat with fans, he shared long-projects. He addressed involvement in "Don 3" and which is rumored to star - The "120 Bahadur" actor year," putting an end to rumors installment of this iconic Bachchan and later Shah Rukh ever since Ranveer Singh was video in August 2023. The teaser camera, lighting a cigarette, famous line. Now that 2026, expectations are high for rebooted saga. While Kiara buzz now suggests Kriti Sanon Singh. However, official story details are still under same conversation, Farhan also Zaraa, a road-trip drama he and Katrina Kaif. He said, "There is no update on 'Jee Le Zaraa'. I will let you know when I know," hinting that the film is currently on hold, even though it generated a lot of excitement when it was announced. Meanwhile, Farhan Akhtar's 120 Bahadur released on the big screen on November 21.



# Farhana Bhatt's mother becomes roast master, leaving these contestants speechless with one-liners.

This week of Bigg Boss Season 19 is very special for all the contestants before the finale, as their family members are joining the show throughout the week to strengthen their game. Recently, Farhana Bhatt's which fans thoroughly in roasting. These two Farhana Bhatt's mother Bigg Boss 19 has begun, as Currently, there are nine nominated. This week, as the real families of the by one during 'Family the Bigg Boss 19 house along arrival, she not only brought surpassed Pranit More in contestants she roasted: the fights, all the contestants Hotstar shared a funny Instagram account. In this mother about her "It's a lioness's job to claw, immediately tells Farhana's her, saying, "You go away, housemates burst out audience's favorite - every season, a parent comes in the family week, who is very much liked by the viewers of this show. Fans are liking Farhana's mother's behavior with all the contestants. One user wrote, "Hey brother, Farhana's mother is so cool." Another user wrote, "Farhana's mother is a real roaster, brother." Another user wrote, "Aunty Rock... everyone was shocked." Many fans are guessing that after seeing her, Farhana is so strong after enduring so much in her childhood, and the reason behind this is her mother, who herself seems like a lioness to the fans.



# Did Priya Sachdeva make a mistake in Sanjay Kapoor's will regarding her daughter's name? Karisma's ex-sister-in-law lashes out

After Sanjay Kapoor's death, the question of who is the rightful heir to his 30,000 crore rupees estate remains unresolved. The legal battle over the businessman's property, which began in October, is still in court. Meanwhile, wife, Priya Sachdeva, for naming her Mandira lashed out at Priya Sachdeva over Safira." The dispute over Sanjay Kapoor's ongoing since October. Following the death Kapoor's ex-husband, Sanjay Kapoor, the ongoing since October. Sanjay Kapoor's about the removal of Karisma Kapoor's of her daughter Safira. Recently, while Sachdeva, Mandira has claimed that she is forward his legacy through her ex-husband Mandira said while coming out in support raised on mentioning Safira as daughter in has questioned in the podcast on including the will. She said, "Safira is mentioned as Daughter) is his daughter, not Safira. Safira alive." Mandira further said, "How can you (Sunjay Kapur) took care of Safira, but he his own daughter, but his stepdaughter. Stop rewriting his lineage." In fact, in October, Karisma Kapoor's lawyer Mahesh Jethmalani had expressed 'doubts' over the will presented by Priya Sachdeva. Karisma's children were kept out of Sanjay's will - The will presented by Sanjay Kapoor's third wife Priya Sachdeva in the court only includes the names of Priya (wife), Azarias (Sanjay and Priya's son) and Safira (Priya and Vikram's daughter). Sanjay Kapoor and Karisma Kapoor's children, Samaira and Kiaan, were excluded from the will. Pointing this out, Mandira said, "My brother was a special person. You can't misspell his son's name or his daughter's address. This wasn't a mistake, it was intentional. Because you lived with my brother for seven years, you can't erase the things we grew up with. No one changes so much in seven years. Spelling mistakes, wrong pronunciations, these are all signs." Expressing her anger against Priya, Mandira further said, "You're excluding the entire family from this; you've stolen it from our family. It's ours, what have you done? You just got married, really...seriously. Have a child and it's all yours? Then everyone should get married like this: get married, have a child, and then everything's ours." Let us tell you that earlier, Samaira and Kiyan had filed a case in the Delhi High Court, accusing Priya of fraud and excluding them from their father's will worth Rs 30 thousand crores.



mother roasted some contestants upon arrival, enjoyed. Farhana's mother surpassed Praneet contestants' mothers gave a stern lesson - became fans' new favorite. The countdown to we will soon know the winner of this season. contestants left in the house, most of whom are emotions have flooded Salman Khan's house current contestants are entering the show one Week'. Farhana Bhatt's mother also entered with Gaurav Khanna's wife Akanksha. Upon a positive atmosphere to the house but also roasting. Read below for details on which Farhana Bhatt's mother roasted Malti - Beyond were seen respecting each other's parents. Jio video of Farhana Bhatt's mother on its official video, when Malti complains to Farhana's daughter's clawing, she immediately replies, not a hen's." Hearing this, Shahbaz mother to stay put. Farhana's mother roasts I'll stay here." Seeing her roasting, all the laughing. Farhana's mother became the